

अंशों के निगमन के लेखे करना

(Accounting Treatment of Issue of Shares)

प्रार्थना पत्र प्राप्त होने पर प्रविष्टियाँ (Entries of Receipt of Applications) :

(i) बैंक में आवेदन राशि जमा होने पर :

Bank A/c Dr.
 To Shares Application A/c
 (For application money received on share @ Rs. per share)

(ii) (A) आबंटित अंशों की राशि को अंश पूँजी खाते में हस्तान्तरित करने पर :

Share Application A/c Dr.
 To Share Capital A/c
 (For application money transferred to Share Capital A/c)

(B) जिन अंशधारियों को अंश नहीं दिए जाते या कम दिए जाते हैं उनको रुपया वापस कर दिया जाता है :

Share Application A/c Dr.
 To Bank A/c
 (For application money returned on unallotted shares)

आबंटन पर प्रविष्टियाँ (Entries on Allotment) :

(iii) आबंटन की राशि देय होते ही आबंटन की राशि को अंश पूँजी खाते में हस्तान्तरित कर देते हैं :

Share Allotment A/c Dr.
 To Share Capital A/c
 (For the amount due on shares @ Rs. per share)

(iv) आबंटन की राशि प्राप्त होने पर :

Bank A/c Dr.
 To Share Allotment A/c
 (For amount received on allotment on shares @ Rs. each)

प्रथम याचना पर प्रविष्टियाँ (Entries on First Call) :

(v) प्रथम याचना की राशि देय होने पर :

Share First Call A/c Dr.
 To Share Capital A/c
 (For First Call money due on shares @ Rs. each)

(vi) प्रथम याचना की राशि प्राप्त होने पर :

Bank A/c Dr.
 To Share First Call A/c
 (For First call money received on shares @ Rs. each)

अन्य याचनाओं का लेखा भी प्रथम याचना पर किए गए लेखे की भाँति ही किया जाएगा।

नोट (i) जब Equity एवं Preference दोनों प्रकार के अंश निर्गमित किए जाते हैं तब विभिन्न खातों से पहले Equity Shares और Preference Shares शब्द लगाकर खातों में भेद किया जाता है जैसे Preference Share Application, Equity Share Application A/c आदि। जब अंशों का प्रकार न दिया हो तो सदैव Equity मानते हैं।

(ii) अंशों पर माँग के सम्बन्ध में दो बातें महत्त्वपूर्ण हैं—(अ) माँग की राशि निर्गमित मूल्य के 25% से कम नहीं होनी चाहिए, (ब) दो याचनाओं के बीच से कम एक माह का समय होना चाहिए जब तक कम्पनी के अन्तर्नियम इसकी आज्ञा न दें।

(iii) जब रोजनामाचे के साथ रोकड़ बही भी तैयार करनी हो तो रोकड़ सम्बन्धी लेखे रोजनामचे में न लिखकर रोकड़ बही (Cash Book) में लिखे जाते हैं।

(iv) कम्पनी में कोई लेन-देन नकद नहीं किया जाता सभी भुगतान और प्राप्तियाँ बैंक के माध्यम से की जाती हैं अतः Cash के स्थान पर Bank A/c को Dr. या Cr. किया जाता है।

1. सममूल्य पर अंशों का निर्गमन

(Issue of Shares at Par)

जब अंशों को उनके अंकित मूल्य (Face Value) पर ही निर्गमित किया जाये तो इसे सममूल्य पर अंशों का निर्गमन कहा जाता है जैसे-10 रु० वाला अंश 10 रु० में 100 रु० वाला अंश 100 रु० में इत्यादि।

ILLUSTRATION 1. एक कम्पनी ने 1,000 अंश प्रत्येक 10 रु० का है, निर्गमित करने के लिए प्रविखरण जारी किया जिसका भुगतान निम्न प्रकार से होना है :

प्रार्थना पत्र पर 3 रु०; आबंटन पर 2 रु० ; प्रथम एवं अन्तिम याचना पर 5 रु०।

सभी अंशों के लिए आवेदन पत्र प्राप्त हुए। रोजनामचा प्रविष्टियाँ यह मानते हुए कीजिए कि अंशों पर देय समस्त राशि प्राप्त हो गई।

आवश्यक खाते बनाइये तथा चिट्ठा भी बनाइए।

A company issued a prospectus, inviting applications for 1,000 shares of Rs. 10 each, payable as follows :

Rs. 3 on application ; Rs. 2 on allotment ; and Rs. 5 on First and Final call.

Applications for all these shares were received. Give Journal Entries assuming that all sums due have been received. Also prepare the necessary ledger accounts and Balance Sheet.

Solution.

Journal Entries

	Dr.	Rs.	Rs.
Bank A/c To Share Application A/c (For application money received on 1,000 shares @ Rs. 3/-per share)	Dr.	3,000	3,000
Share Application A/c To Share Capital A/c (For application money transferred to share capital a/c)	Dr.	3,000	3,000
Share Allotment A/c To Share Capital A/c (For amount due on 1,000 shares @ Rs. 2 per share on allotment)	Dr.	2,000	2,000
Bank A/c To Share Allotment A/c (For allotment money received)	Dr.	2,000	2,000
Share First and Final Call A/c To Share Capital A/c (For amount due on 1,000 shares @ Rs. 5 per share on first and final call)	Dr.	5,000	5,000
Bank A/c To Share First and Final Call A/c (For amount received on final call)	Dr.	5,000	5,000